Dainik Bhaskar, Delhi, 25/05/2026
Page No: 10, Size: 26.11cm × 17.59cm

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • सूरत स्टेशन से डिपो तक ने लिया आकार, 100 किमी नॉन-स्टॉप कॉरिडोर हुआ तैयार

बुलेट ट्रेन का सूरत स्टेशन तैयार, इंटीरियर में भी डायमंड का डिजाइन

भास्कर एक्सक्लूसिव | 349 किमी तक के वायडक्ट का काम पूरा

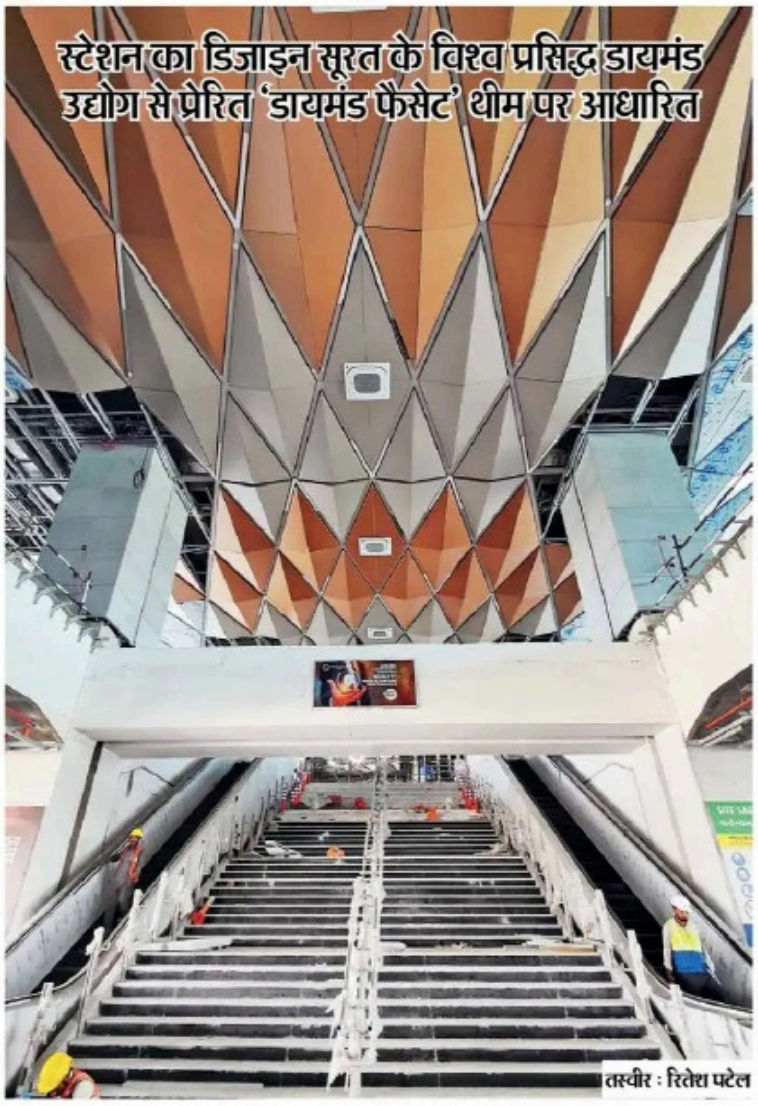

तस्वीर : रितेश पटेल

लवकुश मिश्रा | सूरत

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में तेजी से हो रही प्रगति के बीच अब देश की पहली हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन का ट्रायल सूरत से बिलीमोरा के बजाय अब वापी तक चलाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पहले जहां प्रायोरिटी सेक्शन के तहत सूरत-बिलीमोरा (48 किमी) तक ट्रायल प्रस्तावित था, वहीं अब सूरत से वापी तक लगभग 100 किमी एलिवेटेड कॉरिडोर पर निर्माण कार्य लगातार आगे बढ़ने के बाद हाई-स्पीड रेल प्रशासन ने ट्रायल रूट बढ़ाने की तैयारी कर ली है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि 15 अगस्त 2027 को प्रस्तावित पहला हाई-स्पीड ट्रायल सूरत से वापी तक हो सकता है। इसके लिए अगले साल के मध्य तक बुलेट ट्रेन के 2 अलग-अलग सेट्स सूरत के नियोल में बन रहे मेंटेनेंस डिपो में लाए जाएंगे। हॉई स्पीड कॉरिडोर के सूरत स्टेशन का डिजाइन 'डायमंड फैसेट' थीम पर आधारित है। स्टेशन में ग्राउंड फ्लोर, कॉनकोर्स और प्लेटफॉर्म लेवल सहित तीन स्तर बनाए जा रहे हैं।

स्टेशन की ऊंचाई 26.3 मीटर • बिल्ट-अप एरिया 58,352 वर्ग मीटर

बीच के दो ट्रैक फास्ट ट्रेन के लिए, आसपास के दो ट्रैक स्लो के लिए

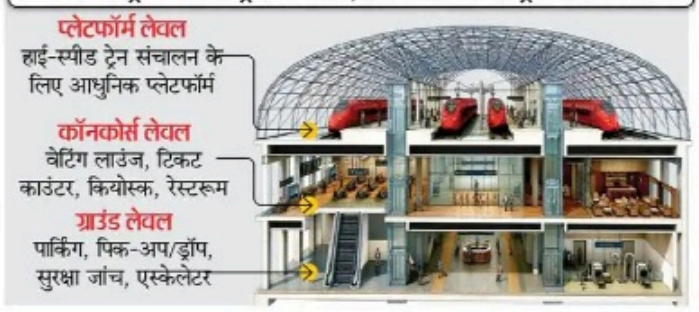

Dainik Bhaskar, Surat, 25/05/2026
Page No: 2, Size: 37.54cm × 22.30cm

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • सूरत स्टेशन से डिपो तक ने लिया आकार, 100 किमी नॉन-स्टॉप कॉरिडोर तैयार, अगले साल आएंगे बुलेट ट्रेन के 2 सेट्स

बुलेट ट्रेन का सूरत स्टेशन तैयार, इंटीरियर में भी डायमंड का डिजाइन, वापी तक ट्रायल की तैयारी

भास्कर एक्सक्लूसिव 508 किमी लंबे कॉरिडोर में 349 किमी तक के वायडक्ट का काम पूरा

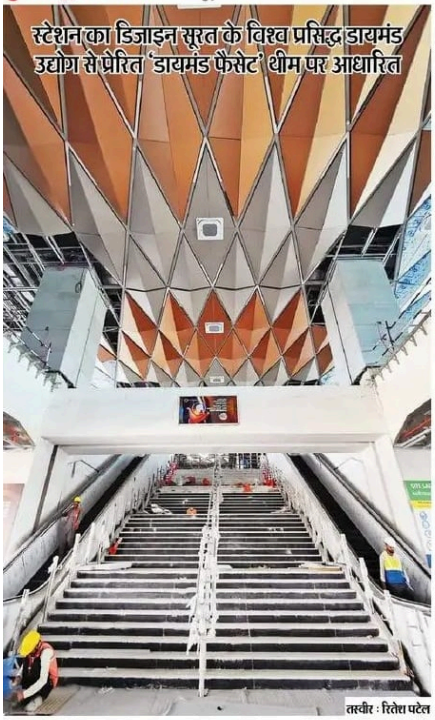

तस्वीर : रितेश पटेल

तक्कुश मिश्रा | सूरत

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में तेजी से हो रही प्रगति के बीच अब देश की पहली हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन का ट्रायल सूरत से बिलीमोरा के बजाय अब वापी तक चलाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पहले जहां प्रायोरिटी सेक्शन के तहत सूरत-बिलीमोरा (48 किमी) तक ट्रायल प्रस्तावित था, वहीं अब सूरत से वापी तक लगभग 100 किमी एलिवेटेड कॉरिडोर पर निर्माण कार्य लगातार आगे बढ़ने के बाद हाई-स्पीड रेल प्रशासन ने ट्रायल रूट बढ़ाने की तैयारी कर ली है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि 15 अगस्त 2027 को प्रस्तावित पहला हाई-स्पीड ट्रायल सूरत से वापी तक हो सकता है। इसके लिए अगले साल के मध्य तक बुलेट ट्रेन के 2 अलग-अलग सेट्स सूरत के नियोल में बन रहे मेंटेनेंस डिपो में लाए जाएंगे। हॉई स्पीड कॉरिडोर के सूरत स्टेशन का डिजाइन 'डायमंड फैसेट' थीम पर आधारित है। स्टेशन में ग्राउंड फ्लोर, कॉनकोर्स और प्लेटफॉर्म लेवल सहित तीन स्तर बनाए जा रहे हैं।

यात्री स्टेशन में दोनों तरफ से प्रवेश कर सकेंगे और सुरक्षा जांच के बाद एयरकंडीशन अनपेड कॉनकोर्स तक पहुंचेंगे। यहां विशाल वेटिंग लाउंज, सूचना कियोस्क, रिटेल आउटलेट सहित अन्य सुविधाएं होंगी। 508 किमी लंबे कॉरिडोर में से 349 किमी वायडक्ट और 443 किमी पिलर का काम पूरा कर लिया गया है। बुलेट ट्रेन के स्टेशन को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए वर्षा जल संचयन, लो VOC पेंट, बगीचे, छायादार वॉकवे और ईवी पार्किंग जैसी IGBC आधारित ग्रीन सुविधाएं शामिल की गई हैं। परियोजना का काम निर्णायक दौर में पहुंच चुका है।

स्टेशन की ऊंचाई 26.3 मीटर • बिल्ट-अप एरिया 58,352 वर्ग मीटर

बीच के दो ट्रैक फास्ट ट्रेन के लिए, आसपास के दो ट्रैक स्लो के लिए

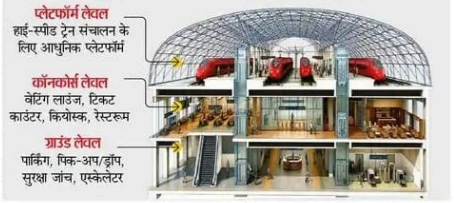

प्लेटफॉर्म लेवल
हाई-स्पीड ट्रेन संचालन के लिए आधुनिक प्लेटफॉर्म

कॉनकोर्स लेवल
वेटिंग लाउंज, टिकट काउंटर, कियोस्क, रेस्टरूम

ग्राउंड लेवल
पार्किंग, पिक-अप/ड्रॉप, सुरक्षा जांच, एस्केलेटर

प्रोजेक्ट में अब तक हुआ काम

- 508 किमी लंबे कॉरिडोर में से 349 किमी वायडक्ट और 443 किमी पिलर का काम पूरा
- 100 किमी तक का रूट सूरत और वापी के बीच पूरा हो चुका है।
- 17 नदियों के पुल, 05 पीएससी (प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट) ब्रिज और 13 स्टील ब्रिज तैयार
- 288 किमी सेक्शन में 5.7 लाख से अधिक नॉइज बैरियर लगाए गए।
- 374 ट्रैक किमी (187 रूट किमी) आरसी ट्रैक बेड निर्माण कार्य पूरा
- 191 किमी रूट के ट्रैक स्लैब का निर्माण पूरा किया जा चुका है।

• ईवी वाहनों के लिए अलग से पार्किंग
बुलेट ट्रेन के स्टेशन को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए वर्षा जल संचयन (वाटर हार्वेस्टिंग), लो VOC पेंट, बगीचे, छायादार वॉकवे और ईवी पार्किंग जैसी IGBC आधारित ग्रीन सुविधाएं शामिल की गई हैं। हाई-स्पीड रेल परियोजना की वर्तमान प्रगति भी अब निर्णायक दौर में पहुंच चुकी है।

सूरत रेलवे स्टेशन से 11 किमी की दूरी

सूरत रेलवे स्टेशन से	11 किलोमीटर
प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन	280 मीटर
BRTS बस स्टॉप	330 मीटर
NH-48 से दूरी	5 किलोमीटर

पहली बार सूरत के बुलेट ट्रेन के मेंटेनेंस डिपो के अंदर की तस्वीर देखें

नियोल डिपो...बुलेट ट्रेन सबसे पहले यहीं आएगी

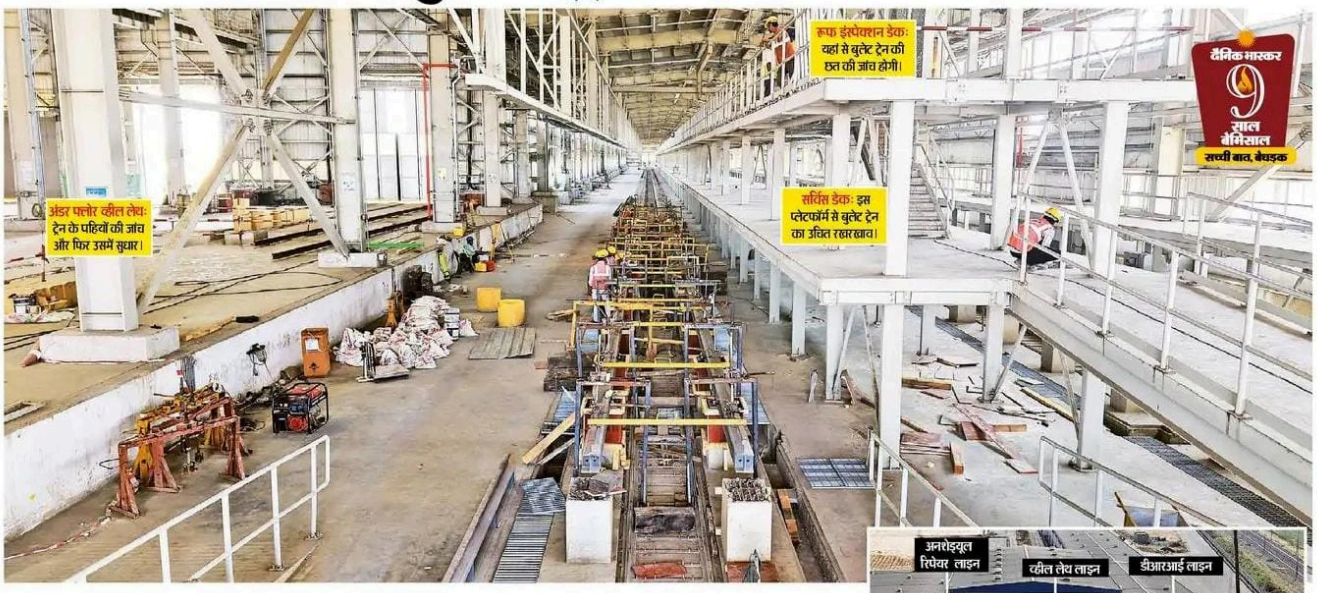

- बुलेट ट्रेन या किसी कोच में अचानक खराबी आई तो यहां तुरंत मेंटेनेंस हो सकेगी। अलग सेक्शन बनाया गया है।
- **पहियों को मशीन के जरिए घिसकर सही आकार दिया जाएगा, जिससे ट्रेन का कंपन, गति व सुरक्षा बनी रहती है।**
- ये लाइनें नियमित निरीक्षण और छोटे रखरखाव कार्यों के लिए। रोजाना चेक कर संचालन को सुरक्षित करेंगे।

अगस्त-2027 में बुलेट ट्रेन का ट्रायल संभव, शुरुआतः सूरत से बिलिमोरा तक

लवकुश मिश्रा. सूरत | देश की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का काम रफ्तार पकड़ चुका है। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के तहत सूरत के नियोल में बन रहे रोलिंग स्टॉक डिपो में जहां बुलेट ट्रेन के मेंटनेंस और नियमित रखरखाव का काम किया जाएगा। इसका लगभग 93% कार्य पूरा किया जा चुका है। यह डिपो भविष्य में बुलेट ट्रेन संचालन का अहम केंद्र बन जाएगा। करीब 27 हेक्टेयर क्षेत्र में यह तैयार हो रहा है। यहां नियमित रखरखाव और तकनीकी निरीक्षण की पूरी व्यवस्था रहेगी। खास बात यह है कि सूरत डिपो साबरमती व ठाणे में बन रहे डिपो के सेंटर होगा। अधिकारियों के अनुसार, बुलेट ट्रेन सेट्स के आगमन से पहले ही यहां जरूरी सभी तकनीकी सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

93 फीसदी काम पूरा हो चुका है

27 हेक्टेयर एरिया में फैला है यह डिपो

बुलेट ट्रेन के संचालन में बड़ी भूमिका निभाएगा यह डिपो

यह डिपो बुलेट ट्रेन के संचालन को स्मूथ बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएगा। इसकी मुख्य वजह नियोल डिपो का सेंटर में होना है। दरअसल एक डिपो साबरमती में जबकि एक ठाणे में बन रहा है। किसी कोच में अचानक खराबी आने पर यहां तुरंत चेक किया जा सकेगा। यहां पर बुलेट ट्रेन की रोजाना जांच की जाएगी।

पिट व्हील लेथ मशीन जो घिसे पहियों को सही आकार देगा।

नियोल डिपोः अत्याधुनिक उपकरण लगाए जा रहे हैं

- **ऑटोमेटिक कोच वॉश प्लांट।**
- पिट व्हील लेथ मशीन जो घिसे पहियों को फिर से सही आकार देगी।
- **मल्टी-लेवल इंस्पेक्शन और सर्विस डेक्स यानी ट्रेनों की जांच में मददगार, समय बचेगा**
- ऑटोमेटेड कोच रूफ एक्सेस सिस्टम(छतों तक सुरक्षित पहुंच और जांच में आसानी)।

Divya Bhaskar, Surat, 25/05/2026
Page No: 2, Size: 59.37cm × 41.09cm

Bullet train Surat station ready; diamond-themed interior completed, trial preparations underway up to Vapi.

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેનનો વાપી સુધીનો 100 કિમીનો નોન સ્ટોપ કોરિડોર બની ગયો, આગામી વર્ષે ટ્રેનના 2 સેટ આવશે

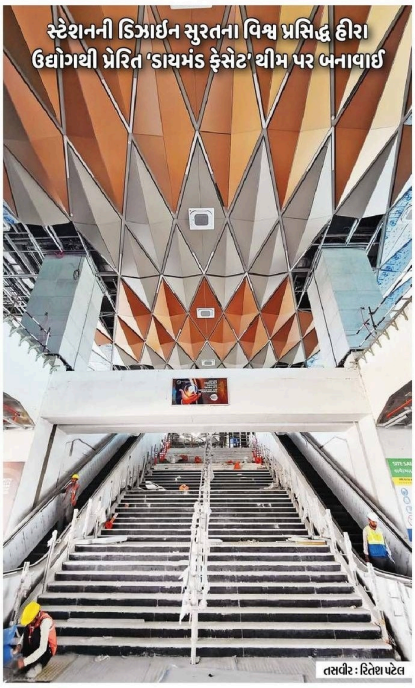

તસવીર : રિતેશ પટેલ

બુલેટ ટ્રેનનું સુરત સ્ટેશન તૈયાર, ઈન્ટિરિયરમાં પણ ડાયમંડની ડિઝાઈન, વાપી સુધી ટ્રાયલની તૈયારી

મુસાફરોને છોડવા-લેવા આવતા લોકો પણ અનપેઇડ કોનકોર્સ સુધી જઈ શકશે

ભાસ્કર એક્સક્લૂઝિવ

લવકુશ મિશ્રા | સુરત

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પરિયોજનામાં ઝડપથી થઈ રહેલી પ્રગતિ વચ્ચે હવે દેશની પહેલી હાઈ સ્પીડ બુલેટ ટ્રેનની ટ્રાયલ સુરતથી બીલીમોરાના બદલે હવે વાપી સુધી ચલાવવાની તૈયારીઓ શરૂ થઈ ગઈ છે. પહેલાં જ્યાં પ્રાયોરિટી સેક્શન હેઠળ સુરત-બીલીમોરા (48 કિમી) સુધી ટ્રાયલ થવાની હતી ત્યાં હવે સુરતથી વાપી સુધી 100 કિમીના એલિવેટેડ કોરિડોર પર નિર્માણ કાર્ય સતત આગળ વધ્યા બાદ હાઈ સ્પીડ રેલ પ્રશાસને ટ્રાયલ રૂટ લંબાવવા તૈયારી કરી છે.

આ અંગે અધિકારીઓના જણાવ્યા પ્રમાણે, 15 ઓગસ્ટ, 2027ના રોજ પ્રસ્તાવિત પહેલી હાઈ સ્પીડ ટ્રાયલ સુરત-વાપી વચ્ચે થઈ શકે છે. આ માટે આગામી વર્ષના મધ્ય સુધીમાં બુલેટ ટ્રેનના 2 અલગ-અલગ સેટ શહેરના નિયોલમાં બની રહેલા મેન્ટેનન્સ ડેપો ખાતે લાવવામાં આવશે. સ્ટેશનની ડિઝાઇન 'ડાયમંડ ફેસેટ' થીમ પર આધારિત છે. સ્ટેશનમાં ગ્રાઉન્ડ ફ્લોર, કોનકોર્સ અને પ્લેટફોર્મ લેવલ સહિત 3 સ્તર બનાવવામાં આવી રહ્યાં છે. મુસાફરો બંને તરફથી સ્ટેશનમાં પ્રવેશ કરી શકશે અને સુરક્ષા તપાસ બાદ એરકન્ડિશન્ડ અનપેઇડ કોનકોર્સ સુધી પહોંચશે. અહીં વિશાળ વેટિંગ લોન્જ, માહિતી કિયોસ્ક, રિટેલ આઉટલેટ સહિતની સુવિધાઓ ઉપલબ્ધ કરાશે.

508 કિમી લાંબા કોરિડોરમાંથી 349 કિમીનું વાયડક્ટ કામ પૂર્ણ

સ્ટેશનની ઊંચાઈ 26.3 મીટર • બિલ્ટ-અપ એરિયા 58,352 ચોમી

પ્રોજેક્ટમાં અત્યાર સુધી થયેલાં કામો

- 508 કિમી લાંબા કોરિડોરમાંથી 349 કિમી વાયડક્ટ અને 443 કિમી પિલરનું કામ પૂર્ણ
- 100 કિમી સુધીનો રૂટ સુરત - વાપી વચ્ચે પૂર્ણ
- 17 નદીના પુલ, 05 પીએસસી (પ્રિ-સ્ટ્રેસ્ડ કોંક્રિટ) બ્રિજ અને 13 સ્ટીલ બ્રિજ તૈયાર
- 288 કિમી સેક્શનમાં 5.7 લાખથી વધુ નોઈઝ બેરિયર લગાવવામાં આવ્યાં
- 374 ટ્રેક કિમી (187 રૂટ કિમી) આરસી ટ્રેક બેડ નિર્માણ કાર્ય પૂર્ણ
- 191 રૂટ કિમીના ટ્રેક સ્લેબનું નિર્માણ પૂર્ણ

ઈવી વાહનો માટે અલગથી પાર્કિંગ

સ્ટેશનને પર્યાવરણને અનુકૂળ બનાવવા માટે વરસાદી પાણીનો સંગ્રહ (વોટર હાર્વેસ્ટિંગ), લો VOC પેઇન્ટ, બગીચા, શેડવાળા વોકવે અને ઈવી પાર્કિંગ જેવી IGBC આધારિત ગ્રીન સુવિધાઓ સામેલ કરવામાં આવી છે. હાઈ સ્પીડ રેલ પરિયોજનાની વર્તમાન પ્રગતિ પણ હવે નિર્ણાયક તબક્કામાં પહોંચી ગઈ છે.

સુરત સ્ટેશનથી અંત્રોલી 11 કિમી

સુરત રેલવે સ્ટેશનથી	11 કિલોમીટર
પ્રસ્તાવિત મેટ્રો સ્ટેશન	280 મીટર
BRTS બસ સ્ટોપ	330 મીટર
NH-48થી અંતર	5 કિલોમીટર